Book Ad Any category of Classified and get
Special Discount
Times of india/ Hindustan times/ Denik jagran / Amar ujala/ Navbharat times Hindustan hindi
Discount Code TBC10
Contact:
Kunika Advertising
Plot no- 516. Sector-12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad
Mo. 8130640000

Year-15 **Issue**- 05
Ghaziabad, Sunday, 02 July- 2023

02 July to 08 July- 2023

Page: 8

Postal Registration No: UP/GZB- 80/2016-18
RNI.No: UPBIL/2009/28691
DAVP Code: 101473
Editor: Dheeraj Kumar
Mob.: 9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad
डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
www.tbcgzb.com
Email: editor@tbam.co.in

Page 2

Page 5

Page 7

TIRUPATI EYE

50 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक पहुंचा जल

यूपी सरकार ने प्रदेश के 50 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचा दिया है। नल से कनेक्शन देन के मामले में महोबा जिला नंबर वन है। इस पर भारत सरकार के अधिकारियों ने योगी सरकार की प्रशंसा की है। यूपी में जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना ने ग्रामीण परिवारों तक नल से स्वच्छ जल पहुंचाने का 50 फीसदी आंकड़ा पार किया। प्रधानमंत्री के विजन पर मिशन की तरह कार्य कर रही योगी सरकार ने इस महत्वाकांक्षी योजना के आधे सफर को पूरा करते हुए प्रदेश के 1,33,25,752 ग्रामीण परिवारों तक हर घर जल पहुंचाने की उपलब्धि हासिल की है। अब तक करीब 7,99,54,512 ग्रामीणों को योजना के लाभ से जोड़ दिया है। बता दें कि हर घर जल योजना से वर्ष 2024 तक 2 करोड़ 66 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से स्वच्छ जल प्रदान किया जाना है। भारत सरकार के अधिकारियों ने तेजी से लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ रही योगी सरकार की इस बड़ी उपलब्धि पर बधाई दी है। नल कनेक्शन देने में बुंदेलखंड का महोबा नम्बर वन योगी सरकार की इस उपलब्धि में बुंदेलखंड और विन्ध्य के 9 जिलों के दूरस्थ इलाके भी शामिल हैं। बुंदेलखंड के सात जिलों में हर घर जल योजना से करीब 11,78,927 ग्रामीण परिवारों तक नल से स्वच्छ पेयजल की धार पहुंच रही है।

BUREAU OFFICE
PRATEEK BHARGAVA
BUREAU CHIEF
Add: Plot No- 516, Sector 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)
Mo.: 8130640011
e-mail: prateekb@tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

कांवड़ यात्रा: मंगलवार रात से लागू होगा नया ट्रैफिक प्लान
घर से निकलने से पहले चेक कर लें ट्रैफिक मैप

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। सावन के महीने में होने वाली कांवड़ यात्रा को देखते हुए गाजियाबाद में ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर कई बदलाव किए गए हैं। नई व्यवस्था 4 जुलाई की आधी रात 12 बजे से शुरू हो जाएगी और 18 जुलाई तक चलेगी। इसके तहत दो चरणों में ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। हल्के और भारी वाहनों के लिए अलग-अलग ट्रैफिक योजना बनाई है। इस दौरान गाजियाबाद में मेरठ रोड समेत शहर के अंदर व अन्य कई मार्गों पर भारी वाहनों की एंट्री को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। वहीं छोटे वाहनों को कावड़ियों की संख्या को देखते हुए लागू किया जाएगा।

कांवड़ यात्रा के दौरान अगर आप जाम और ट्रैफिक को लेकर किसी भी तरह के झंझट से बचना चाहते हैं तो पहले ट्रैफिक पुलिस के प्लान के बारे में पूरी जानकारी हासिल कर लें। गाजियाबाद में 4 जुलाई की रात से कई मुख्य मार्गों पर भारी वाहनों की एंट्री पर रोक लगा दी जाएगी। इंटरनल रूट्स पर भी ये वाहन एंट्री नहीं कर सकेंगे। मेरठ, मुरादनगर और मोदीनगर से एएलटी, मोहननगर और मेरठ तिराहा तक कोई वाहन नहीं चलेगा।

हल्के व मध्यम वाहनों के लिए ट्रैफिक प्लान

हल्के वाहनों के लिए ट्रैफिक का प्लान तैयार किया गया है। हल्के वाहनों के लिए ट्रैफिक प्लान 8-9 जुलाई रात 12 बजे से लागू होगा। इसके तहत 9 जुलाई से मेरठ रोड पर हल्के वाहनों की एंट्री को

भी रोक दिया जाएगा। मुरादनगर पाइपलाइन रोड पर सभी प्रकार के वाहनों की एंट्री पर रोक रहेगी। ईस्टर्न पेरिफेरल से गाजियाबाद, मोदीनगर जाने वाले वाहनों को डासना से होते हुए आगे निकाला जाएगा। चौधरी मोड़, घंटाघर से जस्सीपुरा मोड़, नया बस अड्डा से जस्सीपुरा मोड़ और दूधेश्वरनाथ मंदिर की तरफ जाने वाले मार्ग भी बंद रहेंगे।

- रेलवे स्टेशन रोड, किराना मंडी, रमतेराम रोड, घण्टाघर, बजरिया रोड, दिल्ली गेट, गन्दा नाला की तरफ से आने वाले हल्के वाहनों को चौधरी मोड़ होते हुए रवाना किया जाएगा। एएलटी फ्लाईओवर से मेरठ रोड, संजय-गीता चौक, डीपीएस कट, सिहानी चुंगी, पटेलनगर की ओर से किसी भी वाहन की एनएच-34 मेरठ रोड पर एंट्री प्रतिबंधित रहेगी।

- हल्के वाहनों को डीएमई पर 11 जुलाई की रात से इनमेंटेक कॉलेज के पास से मेरठ की तरफ जाने नहीं दिया जाएगा। इस दौरान लालकुआं से सीमापुरी के बीच ऑटो भी नहीं चलेंगे। मोहननगर से वसुंधरा फ्लाईओवर के बीच भी ऑटो नहीं चल सकेंगे।

भारी वाहनों के लिए ट्रैफिक एडवायजरी

- दिल्ली और गाजियाबाद के किसी भी बॉर्डर से भारी वाहनों को शहर में एंट्री नहीं दी जाएगी। ये वाहन नेशनल हाईवे 56 और एनएच-9 से होकर जाएंगे। दिल्ली, मथुरा और बदरपुर से बुलंदशहर जाने वाहन गाजियाबाद से न जाकर ओखला बैराज, डीएनडी से एक्सप्रेसवे होकर ग्रेटर नोएडा, कासना, श्यामनगर सिकंद्राबाद होकर जीटी रोड से जाएंगे। लोनी तिराहे से भोपुरा और टीलामोड़ कोई भी भारी वाहन नहीं जाएगा।

- दिल्ली-सहारनपुर मार्ग पर बागपत से लोनी में भारी वाहन प्रवेश नहीं कर सकेंगे, उन्हें ट्रॉनिका सिटी से सोनिया विहार के रास्ते दिल्ली भेजा जाएगा। यूपी गेट से बुलंदशहर जाने वाले वाहनईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से होकर निकलेंगे। वहीं दिल्ली से हरिद्वार-देहरादून जाने वाले वाहन डासना से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से होकर एनएच-1 से सोनीपत और करनाल होकर सहारनपुर के रास्ते जाएंगे।

- डीएमई से मेरठ की एंट्री नहीं मिलेगी। इनमेंटेक कॉलेज के सामने मेरठ की तरफ जाने वालों को इस पॉइंट से बाईं तरफ से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस से निकाला जाएगा। डासना से आगे एक्सप्रेसवे पर भारी वाहनों की एंट्री प्रतिबंधित रहेगी। वहीं लोनी तिराहा से टीला मोड, भोपुरा की ओर भारी वाहनों का आवाजाही पर रोक रहेगी। लालकुआं से भी एंट्री बंद रहेगी ये वाहन डीएमई या एनएच-9 का प्रयोग कर दिल्ली जा सकते हैं।

- मेरठ, मोदीनगर, मुरादनगर से एएलटी, मेरठ तिराहा, मोहननगर की ओर सभी प्रकार के भारी वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से आने वाले भारी वाहनों को डासना में पेरिफेरल से उतारा जाएगा और यहा से दिल्ली जाने वाले एनएच-9 की ओर डायवर्ट किया जाएगा। मुरादनगर, मोदीनगर मेरठ की ओर जाने वाले वाहन पिलखुआ हापुड़ होकर निकलेंगे।

रोटरी क्लब डिस्ट्रिक्ट 3012 के सदस्य कैप्टन डॉ. अनिल कुमार मोहिन्द्रू ने पेश किया नायाब उदाहरण, मृत्यु पश्चात करेंगे सभी अंगों को दान

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। रोटरी क्लब डिस्ट्रिक्ट 3012 के सदस्य एकेएस कैप्टन रोटेरियन डॉ. अनिल कुमार मोहिन्द्रू ने सामाजिक कार्यों में सहयोग करने के साथ ही एक ऐसा उदाहरण पेश किया, जिससे कई बीमार लोगों की मदद हो सकती है, साथ ही अन्य लोगों को प्रेरणा भी मिल सकती है। डॉ. मोहिन्द्रू ने अपने शरीर के सभी अंगों को दान देने का निर्णय लिया है। इसके लिए उन्होंने नेशनल ऑरगन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑरगनाईजेशन यानि नोटटो से रजिस्टेशन भी कराया है।

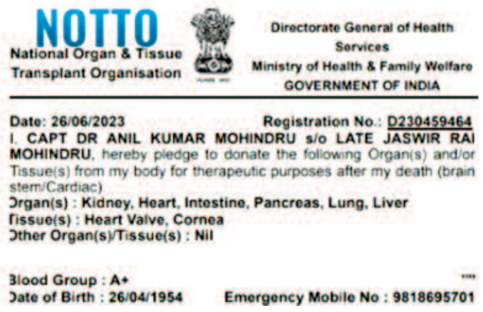

नोट्टो की ओर से डॉ. अनिल मोहिंद्रू को डोनेर कार्ड भी जारी कर दिया गया है। डॉ. मोहिन्द्रू ने बताया कि उन्होंने मृत्यु के बाद किडनी, हार्ट, इन्टेस्टाइन, पैनक्रियाज, लंग, लीवर, कोर्निया, हार्ट वाल्व आदि दान करने की इच्छा जताई थी, जिसे नोटटो ने स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि उन्हें ऑर्गन डोनर कार्ड मिल गया है। इस कार्य के मिलने से वे बहुत ही खुश है। स्वर्गीय जसवीर राय मोहिंन्द्रू के पुत्र डॉ. अनिल मोहिन्द्रू रोटरी क्लब 3012 के बेहद सक्रिय सदस्य है। क्लब की ओर से आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों में वे बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। अब सभी अंगों को दान देने की घोषणा से दूसरों को भी प्रेरित करेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत में अंगदान करने का प्रचलन नहीं है। कई संस्थाएं हैं, जहां अंगदान किया जा सकता है लेकिन बहुत ही कम संख्या में लोग अंग दान को राजी होते हैं। उन्होंने कहा कि अंगदान करने से एक ओर जहां अंग का उपयोग किसी दूसरे के जीवन में खुशी लाने के लिए किया जा सकता है तो वहीं मेडिकल के क्षेत्र में रिसर्च के लिए भी अंगों का उपयोग किया जा सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 9 जनवरी को राज्यों के संबंधित विभागों से मीटिंग करके अंगदान और ट्रांसप्लांट के नियमों में कुछ बदलाव किए हैं। भारत सरकार ने डोमिसाइल की जरूरत को हटाए जाने का निर्णय लिया है। अब जरूरतमंद व्यक्ति देश के किसी भी राज्य में जाकर ऑर्गन प्राप्ति के लिए रजिस्टर कर सकेगा और ट्रांसप्लांट भी करवा पाएगा।

बदल गया अंगदान का प्रावधान

सरकार ने अंगदान के प्रावधानों में बदलाव किया है। अब 65 साल से ज्यादा का व्यक्ति भी सरकार की वेटिंग लिस्ट में जगह पा सकेगा। वजह ये भी है कि कई बार किसी बुजुर्ग के डोनेट किए गए अंग को किसी युवा को लगा पाना मुमकिन ही नहीं हो पाता था। ऐसे में वो अंग बेकार जाता था क्योंकि सेंट्रल लिस्ट में तो बुजुर्ग मरीज शामिल ही नहीं था।

भारत में अंगदान दो तरह से किया जाता है

- मरने के बाद जो अंगदान किया जाता है उसे मेडिकल भाषा में कैडिवर डोनेशन कहा जाता है।
- ज़िंदा रहते हुए किसी के लिए अंगदान करना।

एमसीडी गाड़ी विवाद थमा नहीं, मेयर और कंपनी आमने सामने

गाजियाबाद (टीबीसी न्यूज)। मेयर सुनीता दयाल द्वारा मोरटा में कूड़ा डंपिंग ग्राउंड के निरीक्षण के दौरान एमसीडी की नौ गाड़ियां पकड़ी गई। मेयर का कहना है कि इन गाड़ियों से दिल्ली का कूड़ा गाजियाबाद में डाला जा रहा था। एमसीडी गाड़ियों को पकड़ने के बाद से उठा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मामले में नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी की ओर से कूड़ा प्रोसेसिंग करने वाली कंपनी जीरोन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। वहीं, एफआईआर दर्ज होने के बाद जीरोन इंजिनीरिंग प्राइवेट लिमिटेड की ओर से स्पष्टीकरण दिया गया है कि गाड़ियों से कूड़ा नहीं बल्कि आरडीएफ का परिवहन हो रहा था, जिसे वेस्ट टू एनर्जी प्लांट में भेजा जा रहा था। कंपनी के इस बयान के बाद मेयर ने जवाब देते हुए कहा कि कंपनी का बयान झूठों का पुलिंदा है। उन्होंने कहा कि जीरोन इंजिनीरिंग प्रा. लि. के दस्तावेज कहते है कि वह अपना आरडीएफ डासना स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट पर भेजते हैं, तो दिल्ली का आरडीएफ मोरटा प्लांट व गाजियाबाद के अन्य साइट पर भेजने का कोई कारण नही है। अनुबंध के अनुसार मोरटा प्लांट पर केवल नगर निगम क्षेत्र का कूड़ा ही डाला जा सकता है, न कि खोड़ा, नोएडा एवं दिल्ली का कूड़ा। जबकि यहां रात दिन दिल्ली का कूड़ा डाला जा रहा था। उन्होंने कहा कि मोरटा डम्पिंग ग्राउंड मुख्य मार्ग से 15 किमी अंदर है तो गाड़ियां मुख्य मार्ग से क्यों नही लाई जा रही थी। ये कूड़ा चोरी चुपके गाजियाबाद क्षेत्र में डाला जा रहा था। उन्होंने कहा कि रिफ्यूज डिराइव फ्यूल, जिसे आरडीएफ कहते हैं, अगर कीमती सोना है तो इसे गाजियाबाद क्यों भेजा जा रहा है। इसे दिल्ली में ही रखते।अगर आरडीएफ इतनी ही अच्छी चीज है तो उत्तर प्रदेश में डाला गया सारा आरडीएफ दिल्ली वापस ले लें।

महापौर जी, देखिए दो दिन की बारिश में क्या हाल हो गया है शहर का

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। मेयर सुनीता दयाल ने शपथ ग्रहण के बाद दावा किया था कि इस बार मानसून में गाजियाबाद में कहीं भी जलजमाव की समस्या नहीं होगी। इसके लिए नगर निगम की ओर से सभी पांच सौ नाले व छोटी नालियों को साफ करने का काम युद्धस्तर पर किया जाएगा। लेकिन सिर्फ दो दिन की बारिश ने ही शहरवासियों को हकीकत से रूबरू करा दिया। हालत यह है कि दो दिन की बारिश में कई जगहों पर भारी जलभराव हो गया। शहीदनगर मेट्रो स्टेशन के बाद घुटनों तक पानी जमा है। जिले में पिछले दो दिन में जमकर बारिश हुई।

मौसम विभाग का कहना है कि मानसून से पहले की यह बारिश है। इस बारिश से परेशानियां ज्यादा बढ़ गई। गली-मुहल्लों और अन्य मार्गों पर जलभराव हो गया। जगह-जगह पानी भर गया। लोगों को दिक्कतें हो रही। कई जगह नाले ओवरफ्लो हो गए हैं। सबसे बुरी स्थिति कस्बा लोनी की रही। यहां दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर जलभराव के हालात बन गए।

रविवार को 15 एमएम बारिश से जलभराव के हालात बन गए। शहर की अधिकतर कॉलोनियों में जलभराव हुआ। कुछ जगह तो लोगों के घरों में पानी चला गया। लोनी में दिल्ली-सहारनपुर रोड पर चलना मुश्किल हो गया। बताया गया कि नालों की सफाई नहीं होने की वजह से जलभराव के हालात बने।

लोनी में सहारनपुर रोड पर हालात ज्यादा खराब हो गए। वहां से दुपहिया या पैदल गुजरने वाले परेशान होते रहे। विजय नगर के एफ ब्लॉक, प्रताप विहार की टीचर कॉलोनी, आंबेडकर नगर समेत दूसरी जगहों पर हालात खराब रहे।

लोगों ने अपना गुस्सा नगर निगम पर उतारा। विजयनगर के मनीष कुमार का कहना है कि मॉनसून करीब आ गया था, तब नगर निगम ने नाले की सफाई शुरू कराई। काम पूरी तरह शुरू भी नहीं हो सका था, तब तक बारिश होने लगी। ऐसे में नालों की सफाई हो नहीं सकी है।

लोनी के कस्बा निवासी मोहम्मद अरीश ने बताया कि अब बारिश शुरू होने के बाद जलभराव से निपटना मुश्किल है। लोनी में नगर पालिका ने अब तक नालों की सफाई का कार्य पूरा नहीं किया। मोहल्ले की नालियां भी चोक हैं। सफाई नहीं हो सकी है। यही कारण है कि कॉलोनियों में भी मॉनसून की पहली बारिश से जलभराव जैसे हालात हो गए। यह तो पहली बारिश थी, ऐसे में हालात बेकाबू नहीं हुए। लेकिन, माना जा रहा है कि नाले और नालियां चोक होने की वजह से इस बार बारिश में दिक्कत होने वाली है। पिछले साल शास्त्रीनगर, नंदग्राम के अलावा दूसरे मोहल्लों में घरों के अंदर पानी घुस गया था।

शनिवार रात से सोमवार दोपहर तक रुक रुककर हुई बारिश ने शहर के नालों की सफाई के नगर निगम के दावे की पोल खोल दी है। नाले कूड़े और गाद से भर गए हैं।

वसुंधर निवासी सुनीता श्रीवास्तव का कहना है कि सफाई का यही हाल रहा तो मानसून सक्रिय होने पर नाले सड़क पर बहेंगे। बारिश में जलभराव की समस्या न हो इसके लिए मेयर सुनीता दयाल ने शपथ लेने के बाद नालों की सफाई पहली प्राथमिकता बताई थी।

शहर में 73 बड़े और 452 छोटे नाले और मझोले नाले हैं। इनकी सफाई के लिए नगर निगम ने जून में टेंडर निकाला था। करीब आठ कंपनियों को सफाई का ठेका दिया गया है। नालों की सफाई का बजट साढ़े तीन करोड़ रुपये रखा गया है। शनिवार को हुई पहली बारिश में पटेल नगर, विजयनगर, गोविंदपुरम, नेहरू नगर और इस्लाम नगर में गुजर रहा नाला जगह जगह कूड़े से अटा है।

शिब्बनपुरा निवासी पंकज शर्मा ने बताया कि पटेल नगर थर्ड में आर्यनगर रोड पर बनी पुलिया के नीचे नाले में जाली लगाई गई है। बारिश के बाद जाली के पास कूड़ा और गाद फंसकर ऊपर आ रहा है। बहाव रुक गया है।

विजयनगर में एनएच-नौ के सहारे गुजर रहे बड़े नाले की हालत डंपिंग ग्राउंड जैसी हो गई है। नगर निगम का कहना है कि नाले की सफाई कराई जा चुकी है। इस नाले में विजयनगर और आंबेडकर नगर, औद्योगिक क्षेत्र का पानी बहता है।

पार्षद पति आरिफ मलिक ने बताया कि इस्लाम नगर में छह फुट गहरा नाला गाद के साथ ही प्लास्टिक और कूड़े से अटा पड़ा है। जबकि यहां भी सफाई कराने की बात नगर निगम कर रहा है। बारिश का पानी बहने की बजाय कूड़े से चोक हुए नाले में डंप हो रहा है।

क्या कहती है मेयर

मेयर सुनीता दयाल ने बताया कि शहर में मानसून से पहले कई स्थानों से जलभराव की समस्या आई है। अधिकारियों की टीम मौके पर जाकर जांच कर रही है। जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए नालों की सफाई का काम तेज गति से चल रहा है। नालों की सफाई का निरीक्षण स्वयं कर रही हैं। अधिकांश नालों की सफाई एक बार हो चुकी है। भरोसे के साथ कह सकती हूं कि मॉनसून आने से पहले शहर के सभी नालों की सफाई का काम पूरा कर लिया जाएगा। पिछले साल के मुकाबले इस साल जल भराव की समस्या कम होगी।

क्यों हो रही है गाजियाबाद के इस पार्क की जोरों पर चर्चा

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। हमेशा कुछ अलग करने की सोच रखने वाले गाजियाबाद के नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ ने फिर एक अलग तरीके का काम किया है। उन्होंने खराब पड़ी वस्तुओं से एक पार्क को नया रूप दिया है। वेस्ट से बेस्ट बनाने की अनूठी मुहिम के तहत पार्क का सौंदर्यीकरण किया गया है। सिटी जोन स्थित कंपनी बाग के वेस्ट टू वंडर पार्क की चर्चा हर जगह हो रही है। पार्क को खराब यानि ऐसी वस्तुएं जो किसी काम का नहीं है, से सुसज्जित किया गया है या यूं कहें ऐसी वस्तुएं जो कि कचरा है उनका इस्तेमाल करते हुए पार्क को सुंदर बनाया गया है। इसे वेस्ट टू वंडर पार्क

का नाम दिया है। वेस्ट टू वंडर पार्क सभी का मन मोह रहा है। इस पार्क की चर्चा शहर ही नहीं पूरे प्रदेश में हो रही है।

नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ ने बताया कि शीघ्र ही इसको शहर वासियों को सौंपा जाएगा। इसका उद्घाटन आगामी सप्ताह में किया जाएगा। अन्य पार्कों को भी इसी तर्ज पर व्यवस्थित करने की योजना बनाई जा रही है। खराब पड़ी वस्तुओं से ना केवल पार्कों को सुसज्जित किया जा रहा है बल्कि ऐसा कचरा जो पुनइस्तेमाल में लिया जा सकता है, उसका भी उपयोग किया गया। शहर के चौराहों पर भी वेस्ट से बेस्ट की मुहिम के अंतर्गत सुंदर बनाने का काम किया जा रहा है। इसके लिए एनजीओ का भी योगदान लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेयर सुनीता दयाल लगातार कचरा निस्तारण का निरीक्षण कर रही है। ट्रिपल आर पर कार्य तेजी से किया जा रहा है। शहर के प्रत्येक पांचों जोनों में पार्कों को इसी तर्ज पर सुसज्जित किया जाएगा। सिटी जोन के बाद वसुंधरा जोन में एक पार्क को चिन्हित कर कार्य शुरू होगा।

पुराने टायर से बना है पार्क

इस पार्क में यहां उन वस्तुओं को प्रयोग में लाया जा रहा है, जो कचरा समझकर घरों से फेंक दी जाती हैं। पुराने टायर, बोतलें, खराब सीडी, लोहे या स्टील कटिंग की वस्तुओं से ये पार्क बनाया गया है। बैठने के लिए चेयर, सेल्फी पॉइंट, सफाई मित्र का स्टैच्यू सहित कई आकर्षक चीजें बनाई गई हैं।

स्वच्छता सर्वेक्षण में इस पार्क पर हैं 100 नंबर

बता दें कि स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 में वेस्ट टू वंडर पार्क के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। इसी कड़ी में नगर निगम ने ये प्रयास किया है, ताकि उन्हें इस पार्क पर पूरे नंबर मिल सकें। महापौर सुनीता दयाल ने बताया, स्वच्छता सर्वेक्षण में शहरवासियों का सहयोग लगातार प्राप्त हो रहा है। आकर्षण के ऐसे कई और केंद्र शहर के अंदर बनाए जा रहे हैं।

Editorial

Is opposition unity a myth or a reality?

The Opposition unity meeting was held on June 23 in Patna. Barring BSP, BRS of KCR, RLD, leaders from almost all parties attended the meet. From Congress, Rahul Gandhi and its president Mallikarjun Kharge participated. According to sources, after hours long deliberations, no consensus was made on so many issues, including ordinance on the power of LG in Delhi. Delhi chief minister Arvind Kejriwal tried his best to bring all parties on a common view but the Congress was reluctant. The Congress was skeptical about the move of Kejriwal as the grand old party was at loggerhead in Delhi. The Congress is enthusiastic after the poll outcome in Karnataka. One of its senior leaders told that the Bharat Jodo Yatra of Rahul Gandhi has garnered quite a position and the same has been boosted by the party's grand success in Karnataka assembly election. Then why should we go with Kejriwal's demand. It may be noted that the three of the four Assembly elections -- Madhya Pradesh, Rajasthan and Chhattisgarh are coming up just before the Lok Sabha election, where Congress will have a direct fight with the BJP. Any seesaw kind result may be a booster for the Opposition during the crucial Lok Sabha polls. In states like West Bengal, the Congress is in direct fight with the TMC. WB chief minister Mamata Banerjee on many occasion expressed her views on the general elections. Its spokesman said the meeting in Bihar did not mean that Nitish Kumar is leading the opposition camp. A closer look at how the Opposition parties are behaving with each other often baffles political analysts. A direct question often arises in the mind whether the unity quotient is being considered in the right earnest for the entire country or it is segmented and fragmented in layered terms like in the panchayat and the Assembly segments.

Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

No meat sale on Kanwar Yatra routes, DJs will sound

The Uttar Pradesh government has decided to prohibit sale of meat in the open along the routes fixed for Kanwar Yatra, which will commence from July 4.

Chief Minister Yogi Adityanath issued the directions in this regard while chairing a review meeting with senior officials, including police commissioners, divisional commissioners, district magistrates and superintendents of police, ahead of the upcoming festival season, an official statement said.

Chief minister Yogi Adityanath said that this year due to "Adhimas" (additional month), the month of Shravan is of two months duration. The festivals of Shravani Shivratri, Nagpanchami and Rakshabandhan will be celebrated during this period, he said.

"The traditional Kanwar Yatra will take place in the holy month of Shravan starting from July 4. Respecting the belief of devotees, meat should not be allowed to be sold in the open on the Kanwar route. The route should remain clean and sanitised. There should be provision of streetlights. Since the weather is hot, arrangements of drinking water should also be made," the CM said.

According to the statement, Adityanath asked the officials to install CCTV cameras on the yatra route and also deploy divers. The places for setting up of Kanwar camps should be marked in advance so that traffic is not obstructed, he ordered.

The chief minister also directed for ensuring that the sound of DJ, music, etc to be used during Kanwar procession is as per the prescribed standards.

"Give permission to the organisers of the event. But ensure that everyone follows the rules and regulations," he said.

Adityanath also directed that there should be no display of weapons in religious processions.

"Some mischievous elements may try to unnecessarily provoke people of other communities, keep an eye on such matters. Additional police force should be deployed in sensitive areas. The police force must do foot patrolling everyday in the evening. PRV 112 should remain active, and anarchic elements should be strongly dealt with," he said.

The CM also directed the officials on the issue of religious conversion of children through gaming/chatting apps.

How UP has become the growth junction of New India

The Infrastructure Investment and Development program of the Uttar Pradesh government is the pioneer of the anecdote of development of New India. The Investment method envisages yielding Quadrigeminal results in the State focusing on job creation, increased per capita income, reducing poverty, and establishing Antodaya. There is a combinable approach engrossing promise, potential, and participation that is reflected in the policy formulation and dispensation of the incumbent government. The hassle-free and excellent road connectivity through the upgradation of state and national highways including new additions in every possible district is leading to the rise in the livelihood of the people in all aspects. The state is witnessing significant growth through infrastructural support in the farming and service sectors.

The Global Investors Summit brought a whopping proposal commitment of investment worth Rs 32.5 lakh crores and it is

noteworthy that the state government is planning to overhaul the employability ratio in the state creating a new environment for industrial growth, start-ups culture, tourism, IT-knowledge revolution, and skill-based growth. The target of creating a One Trillion Economy is a promising one and the state government is taking a giant leap forward in this direction with visible actions.

The competent and effective law and order situation has nourished in the state a new investment friendly ambiance and has attracted incredible investments in various sectors. Lucknow has emerged as an allurement for the defence sector and the Uttar Pradesh Defence Industrial Corridor (UPDIC) is an aspirational project that intends to reduce the foreign dependency on Indian aerospace and defence sector reducing the dependency on foreign investment. The corridor extends through six nodes and is destined to take the state as one of the largest manufacturers in the defence sector across the globe. The UPDIC will not only accomplish the goal of employment generation in the state but also lead to self-reliance and indigenisation.

The One District-One Product initiative of the UP government has resulted in a structural transformation in each district of the state. There has been a significant rise in the exports from the State from 88,000 crores in 2018 to 1.6 lakh crores in 2021-22.

The unprecedented attempt of the government has provided a tremendous boost to the local economy and also enhances the promotion of local skills, crafts, and industries converging aspirations of the districts and job creation. One dedicated MSME Development Cell in each district endeavours to facilitate the implementation of cluster-based interventions that could create an enabling environment for MSMEs to maximise revenues. The target is to achieve an annual growth rate of 15 per cent in the development of MSME industries and generate employment with an annual growth rate of 15 per cent which will lead to expansion and technical upgradation of the MSME sector in the State. The health infrastructure of the state is transforming significantly and there has been a push from the government to increase accessibility, affordability, and availability across the state. The health ATM program, One District-One Medical College, telemedicine, increase in the number of seats, and unprecedented budget allocation for overall reforms in the health sector will not only lead to enhancement of health security in the state whereas it will lead to a new era of investment in the health sector. In recent data released by the Reserve Bank of India, Uttar Pradesh's Gross State Domestic Product (GSDP) at current prices was attributed to ₹16.87 lakh crore in 2019-20, whereas Maharashtra and Tamil Nadu had GSDPs of ₹28.18 lakh crore and ₹17.97 lakh crore respectively putting UP at the third position. In 2021, Uttar Pradesh's GDP reached 191 million rupees, showing a significant increase from 82.2 million rupees (lakhs) in 2012. In the fiscal year 2022, Uttar Pradesh's gross state domestic product amounted to approximately 18.6 trillion Indian rupees, a substantial increase from seven trillion rupees in 2012.

निवेश मित्र पोर्टल पर दर्ज मामलों का नहीं हुआ निस्तारण

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई उद्योग बंधु की बैठक में उद्यमियों की समस्या व शिकायतों पर खुल कर चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने उद्यमियों की समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारियों को एक समय सीमा तय कर दी है। बैठक औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ कई विभागों के अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में साहिबाबाद साइट फोर के बिजली घर के लिए जमीन उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई। यूपीसीडा के मैनेजर ने बताया कि साइट 4 साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र एवं बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र का अपने कार्यालय के सहायक प्रबंधक सिविल द्वारा लैंड ऑडिट कराया गया, जिससे यह पता चला कि साइट 4 साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र एवं बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में पार्क के अतिरिक्त ऐसी जमीन नहीं है जहां बिजली सब स्टेशन का निर्माण कराया जा सकता है। इस पर डीएम ने यूपीसीडा के क्षेत्रीय प्रबंधक यूपीसीडा से जानकारी हासिल करने को कहा कि पार्क या ग्रीन बेल्ट की भूमि पर फायर स्टेशन अथवा विद्युत सबस्टेशन का निर्माण कराया जा सकता है अथवा नहीं। जिलाधिकारी ने जिले में यूपीएसआईडीसी की सभी जमीन का पूरा सर्वे कराने को कहा। ताकि यह पता लग सके कि यूपीएसआईडीसी की कितनी भूमि रिक्त पड़ी हुई है, अथवा अवैध कब्जे के अंतर्गत है। बैठक में ट्रांस दिल्ली सिगनेचर सिटी उद्योग क्षेत्र लोनी में बिजली संबंधी कार्यों पर चर्चा की गई। बिजली विभाग के अधिकारी ने बताया कि 12 जुलाई टेंडर खोले जाने हैं। अमृत स्टील कंपाउंड इंडस्ट्रीयल एरिया के दोनों ओर रेलवे लाइन की दीवार एवं नाला गिर जाने के कारण साउथ साइड जीटी रोड औद्योगिक क्षेत्र में हो रहे जलभराव की समस्या पर भी चर्चा की गई। इस पर जिलाधिकारी ने उद्योग विभाग को सहायक अभियंता उत्तर रेलवे से बातचीत कर समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। औद्योगिक क्षेत्रों में हो रहे विद्युत फाल्ट, ट्रिपिंग एवं अत्यधिक पावर कट की समस्या पर अधीक्षण अभियंता ने बताया कि 15 दिन के अंदर विद्युत आपूर्ति सुचारू हो जाएगी। अमृत स्टील कंपाउंड इंडस्ट्रियल एरिया एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने फीडर संख्या 8 एवं 9 पर अत्यधिक ट्रिपिंग होने का मामला उठाया। इस पर अधिशासी अभियंता सचिन कुमार ने कहा कि जल्द ही समस्या का समाधान हो जाएगा। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अंतर्गत संचालित निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने पाया कि कमर्शियल टैक्स डिपार्टमेंट से एक प्रकरण, डिपार्टमेंट ऑफ लेबर से 3 प्रकरण, फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन से 3 प्रकरण, भूगर्भ जल विभाग से 27 प्रकरण हाउसिंग डिपार्टमेंट से 8 प्रकरण, आईटी विभाग से 5 प्रकरण, यूपीसीडा से 13 प्रकरण, मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट से 01 प्रकरण, अर्बन डेवलपमेंट डिपार्टमेंट से 01 प्रकरण का समाधान नहीं हुआ है। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित विभागाध्यक्षों को जल्द मामलों का निस्तारण करने के निर्देश दिए।

कौन-कौन हुए शामिल

बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग श्रीनाथ पासवान द्वारा किया गया। बैठक में सहायक पुलिस आयुक्त अभिषेक श्रीवास्तव, एनके चौधरी मुख्य अभियंता नगर निगम, उप महाप्रबंधक रघुनंदन सिंह यादव, परियोजना अधिकारी यूपीएसआईडीसी राकेश झा, नरेश भारती अधीक्षण अभियंता विद्युत लोनी, विनोद आर्य अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण निगम लिमिटेड गाजियाबाद, सहायक श्रम आयुक्त गाजियाबाद वीरेंद्र कुमार, सब रजिस्टार प्रथम रविंद्र मेहता, सहायक आयुक्त खाद्य विभाग विनीत कुमार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद लोनी शैलेंद्र सिंह, सहायक निदेशक कारखाना कृपाशु गुप्ता, जनपद के विभिन्न औद्योगिक संगठन के पदाधिकारियों तथा औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

करिअर की बातें, टीबीसी के संग

सोशल मीडिया मैनेजमेंट और पब्लिक रिलेशन से संवारिए करिअर

किसी भी स्टूडेंट, प्रोफेशनल और उद्यमी की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वह अपना बाहरी वातावरण कैसे मैनेज करता है। इसमें कई बातें आती हैं जैसे हमारे आस-पास का माहौल, पब्लिक/कस्टमर रिलेशन, सरकारी तंत्र से संबंधित कार्य, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, वेंडर मैनजेमेंट इत्यादि।

हमारे आसपास का माहौल

हमारे बाहरी वातावरण को मैनेज करने की शुरूआत अपने रहने और काम करने की जगह को साफ सुथरा रखने से होती है। एक स्वच्छ और व्यवस्थित वातावरण एकाग्रता में सुधार करने में मदद कर सकता है। अपनी मटेरियल और सप्लाई को साफ-सुथरे ढंग से व्यवस्थित रखने के लिए सही प्रकार का स्टोरेज का उपयोग करें।

सोशल मीडिया पर नियंत्रण रखें

सोशल मीडिया दोस्तों और परिवार से जुड़े रहने का एक शानदार तरीका हो सकता है, लेकिन यह ध्यान भटकाने वाला एक बड़ा कारण भी हो सकता है। यदि आप खुद को सोशल मीडिया पर बहुत अधिक समय बिताते हुए पाते हैं, तो अपने फीड को व्यवस्थित करने के लिए कुछ समय लें और उन खातों को अनफॉलो करें जिनकी आवश्यकता नहीं हैं।

पब्लिक/कस्टमर रिलेशन

पब्लिक/कस्टमर रिलेशंस को मैनेज करने के लिए उनसे मिलने का एक रूटीन बनाएं। दिन में कुछ निश्चित समय, जो सबको पता हो, इस कार्य के लिए निर्धारित करें। सुनिश्चित करें कि अन्य लोग समझें कि आपको कब निर्बाध समय की आवश्यकता है और कब आपसे संपर्क करना उचित है। पब्लिक/कस्टमर रिलेशन में विजुअल, नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन का बहुत महत्व है, उसमें निपुणता हासिल करें।

ऑनलाइन बातचीत जारी रखें

मीडिया कवरेज और ऑनलाइन बातचीत की नियमित रूप से निगरानी करें। सार्वजनिक धारणाओं के बारे में सूचित रहने और संभावित मुद्दों की शीघ्र पहचान करने के लिए अपने आसपास की घटनाओं पर नजर रखें।

कस्टमर्स के फीडबैक को प्रोत्साहित करें और सक्रिय रूप से उनकी राय और चिंताओं को सुनें। बहुमूल्य जानकारी इकट्ठा करने के लिए सर्वेक्षण, फीडबैक फॉर्म या सोशल मीडिया पोल आयोजित करें।

सरकारी तंत्र से संबंधित कार्य

चाहे स्टूडेंट हो या प्रोफेशनल्स, हम में से हर किसी को अक्सर 'सरकारी तंत्र' का सामना करना पड़ता है। सरकारी तंत्र को लेकर भारत में आम धारणा यह है कि 'पैसे और पहचान के बिना कार्य हो नहीं सकता', लेकिन इस धारणा को झुठला सकते हैं।

सरकारी तंत्र के साथ प्रभावी तरीके से काम लेने के लिए स्वयं अवेयर रहें, ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करे, सारे डॉक्युमेंट्स, समय, डेडलाइंस का ध्यान रखें और पहले से तैयार रहें, फॉलो-अप लें और यदि आप किसी समस्या या देरी का सामना करते हैं, तो सरकार द्वारा प्रदान किए गए शिकायत निवारण तंत्र का उपयोग करें।

आपदा प्रबंधन

संभावित संकटों या नकारात्मक घटनाओं के लिए तैयारी करें जो सार्वजनिक धारणा को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसी स्थितियों से निपटने और उन्हें कम करने के लिए कदमों की रूपरेखा तैयार करते हुए एक संकट प्रबंधन योजना के लिए कुछ गाइडलाइंस पहले से विकसित करें।

पारदर्शिता और ईमानदारी

अपने उत्पादों, सेवाओं और व्यवसायिक प्रथाओं के बारे में सटीक और ईमानदार जानकारी प्रदान करके विश्वास बनाएं।

किसी भी मुद्दे या गलती का तुरंत समाधान करें, जिम्मेदारी लें और उचित समाधान पेश करें। पारदर्शिता विश्वसनीयता और दीर्घकालिक संबंधों को बढ़ावा देने में मदद करती है।

आयुष्मान योजना से यूपी में पहला किडनी ट्रांसप्लांट गाजियाबाद में

मेरठ की नाजिश को अपनी मां की किडनी से मिली नई जिंदगी

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। मोदी सरकार की आयुष्मान योजना के तहत प्रदेश में पहला किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। यह ट्रांसप्लांट कौशांबी स्थित यशोदा सुपर स्पेश्यालिटी अस्पताल में किया गया। अस्पताल की ओर से बताया गया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत उत्तर प्रदेश का पहला किडनी ट्रांसप्लांट बेहद सफल रहा। इसमें पीड़ित परिवार को एक भी रुपया खर्च नहीं करना पड़ा। मेरठ की 28 वर्षीय युवती नाजिश को किडनी की जरूरत थी। जिसे उसकी मां ने दिया है। ईद से ऐन वक्त पहले मां ने बेटी को अपनी एक किडनी दी है। मेरठ जनपद में दौराला क्षेत्र के वालिदपुर गांव में सलीम अहमद और सबीला की 28 वर्षीय बेटी नाजिश की किडनी जवाब दे गई थी। डॉक्टरों को दिखाया तो उन्होंने किडनी ट्रांसप्लांट के लिए बोल दिया। सलीम और उनका बेटा आजम किसी तरह मेहनत-मजदूरी करके परिवार के साथ गुजर बसर कर रहे थे। ऐसे में किडनी ट्रांसप्लांट का खर्च सुनकर पूरा परिवार सन्न रह गया, लेकिन आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से बिना कोई पैसा खर्च किए यह संभव हो गया। किडनी ट्रांसप्लांट के बाद ईद पर नाजिश अपने परिवार में भी पहुंच गई और पूरा परिवार बहुत खुश है। नाजिश की बहन फरहीन ने बताया कि बहन नाजिश और मां सबीला सबीला पूरी तरह स्वस्थ हैं। ईद पर आयुष्मान भारत योजना से हमारे परिवार को अनमोल उपहार मिला है। नाजिश के परिवार को गंगानगर मेरठ में डायलिसिस सेंटर से जानकारी मिली कि यशोदा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के लिए किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू हुई है। फैमिली ने यशोदा हॉस्पिटल में संपर्क किया। तमाम कानूनी प्रक्रिया के बाद नेफ्रोलॉजी से डॉक्टर प्रजीत मजूमदार और यूरोलॉजी से डा. वैभव सक्सेना, डा. निरेन राव एवं डा. कुलदीप अग्रवाल की टीम ने 20 जून को किडनी ट्रांसप्लांट किया और 27 जून को मां-बेटी को अस्पताल से छुट्टी देकर घर भेज दिया। यशोदा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, कौशांबी की एमडी एवं सीईओ डा. उपासना अरोड़ा ने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से आबद्ध होने के साथ ही हमने ठान लिया था कि योजना के लाभार्थियों को वह सुविधाएं भी उपलब्ध कराएंगे जो अन्य अस्पताल नहीं करा पा रहे हैं, ताकि गरीबों को महंगा उपचार प्राप्त करने में दिक्कत न हो। सूबे में पहला किडनी ट्रांसप्लांट कर हम खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं और यह हमारे विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम के चलते ही संभव हो सका है।

घर पर आसानी से बनाएं मैंगो आइसक्रीम, स्वाद ऐसा कि उंगलियां चाट जाएंगे लोग

गर्मियों के मौसम में आइसक्रीम खाने का अलग ही मजा होता है। बता दें कि गर्मी में आम से बनी आइसक्रीम खाना काफी पसंद किया जाता है। क्योंकि गर्मी में बाजार में आम की बहार आने लगती है। लेकिन गर्मी का पारा जैसे-जैसे बढ़ता है तो शरीर में ठंडक घोलने वाली चीजें खाने की मांग बढ़ जाती है। आइसक्रीम भी गर्मियों में सबसे ज्यादा खाया जाता है। लेकिन अगर आप आम और आइसक्रीम का मजा एक साथ लेना चाहती हैं। तो आप घर पर मैंगो आइसक्रीम ट्राई कर सकती हैं।

बता दें कि बच्चों से लेकर बड़ों तक को मैंगो आइसक्रीम का स्वाद बेहद पसंद आएगा। ऐसे में अगर आप घर पर मैंगो आइसक्रीम बनाना चाहती हैं तो इसे बनाने की विधि काफी आसान है। इसके लिए आप सबसे पहले अच्छे आमों का चयन कर लें। इसे आप घर पर आसानी से बनाकर तैयार कर सकती हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मैंगो आइसक्रीम बनाने की विधि के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं इसे बनाने के तरीके के बारे में...

मैंगो आइसक्रीम की सामग्री

आम के टुकड़े - 2 कप
कंडेन्स्ड मिल्क - 1/2 कप
दूध -2 कप
नींबू रस - 1 टी स्पून
चीनी - 1/2 कप (स्वादानुसार)

ऐसे बनाएं मैंगो आइसक्रीम

गर्मी के मौसम में मैंगो आइसक्रीम न सिर्फ आपके मुंह का जायका बदलती हैं, बल्कि शरीर में भी ठंडक घोलने का काम करती है। मैंगो आइसक्रीम बनाने के लिए सबसे पहले अच्छी क्ववालिटी वाले आम लें। अब इन्हें धोकर टुकड़ों में काट लें। फिर मिक्सर में आम के टुकड़ों और चीनी को सॉफ्ट होने तक पीस लें। मिश्रण को एक बाउल में निकालकर उसमें दूध, कंडेन्स्ड मिल्क और चीनी डालकर अच्छे से मिलाएं।

जब सारी चीजें अच्छे से मिक्स हो जाएं तो एक एल्यूमिनियम के कंटेनर में इस मिश्रण को डाल दें। अब कंटेनर को पन्नी से कवर कर 6-7 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इस दौरान यह मिश्रण आधा सैट हो जाएगा। फिर इसे फ्रिज से निकालकर दोबारा मिश्रण को सॉफ्ट होने तक पीसें। जब सारा मिश्रण दोबारा पिस जाए तो इसे फिर से कंटेनर में डालकर पन्नी से कवर कर दें। इस बार इसे फ्रिज में 10-12 घंटे के लिए रख दें। इस तरह से आइसक्रीम अच्छे से सेट हो जाएगी। जब यह हार्ड हो जाए तो सर्विंग बाउल में स्कूप कर आइसक्रीम निकाल लें।

दाल और सब्जियों की कीमतों ने बिगाड़ा किचन का बजट

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। इसे बरसात का असर कहिए या कुछ और सब्जियों के दाम आसमान छूने लगे हैं। जो टमाटर 20 रुपए किलो बिक रहा था, वह अब 120 रुपए किलो बिक रहा है। खाली सब्जी ही नहीं, दालों और मसालों की कीमत में भी भारी उछाल आ गई है। इसका असर अब लोगों की थाली पर पड़ने लगा है। महिलाओं का कहना है कि अचानक से दामों में भारी बढ़ोत्तरी से किचन का बजट गड़बड़ा गया है। छोटे दुकानदारों का कहना है कि राशन की चीजें के दामों में बढ़ोतरी होने से व्यापार प्रभावित हो रहा है। जानकार कहते हैं कि माल की कमी होने और बड़े व्यापारियों द्वारा माल को स्टॉक करने से काफी हद तक यह समस्या खड़ी हुई है। आशंका है कि राशन की चीजों के दाम अभी और बढ़ेंगे। टमाटर, अदरक, धनिया, लहसुन के बाद अब दालों के दामों में भी तेजी देखने को मिल रही हैं। इसके अलावा दाल में जीरे का तड़का भी अब बहुत महंगा हो गया है। जानकारी के मुताबिक जो अरहर की दाल 120 रुपये में मिल रही थी, अब उसका दाम 160 रुपये के पार पहुंच गया है। वहीं एक महीने पहले तक जो जीरे का दाम 330 रुपये से 400 रुपये किलो था, वह अब 700 से लेकर 740 तक पहुंच गया है। दुकानदारों का कहना है कि इस तेजी पीछे असल वजह माल की कमी है।

राशन	पहले	अब (रुपये/किलो)
अरहर	120	160
मूंग	110	130
उड़द	120	150
चना	65	85
मसूर	90	120
उड़द साबुत	95	130
जीरा	350	740

क्या कहती है गृहणियां

वैशाली निवासी मीना कौशिक का कहना है कि टमाटर की कीमत सुनकर आश्चर्य लग रहा है। ऐसी कीमत पहले कभी नहीं देखी। महाराष्ट्र और कर्नाटक से देश को टमाटर की सप्लाई होती है। इन दोनों राज्यों में भारी बारिश हो रही है। हो सकता है कि बारिश के कारण टमाटर की कीमत में आग लग गई हो।

वसुंधरा सेक्टर–चार निवासी शिल्पी का कहना है कि हर महीने उनके घर में 2000 से 2200 रुपये का राशन आता था, लेकिन पिछले कुछ महीनों से ये राशन 3000 से 3500 रुपये का आ रहा है। दाल और सब्जियों की कीमत बढ़ने से बजट और बढ़ जाएगा। अब तो बाजार जाने का भी मन नहीं करता है।

राजनगर एक्सटेंशन निवासी मीनाक्षी माथुर का कहना है कि टमाटर के बिना कोई भी सब्जी अधूरी है। टमाटर 120 रुपये बिका रहा है। यही नहीं मंडी में ज्यादातर सब्जियां 100 रुपये किलो बिक रही है। तोरइ 100 रुपये किलो, बैंगन 80 रुपये किलो, खीरा 70 रुपये किलो, करेला 80 रुपये किलो, बींस 80 किलो, धनिया 200 रुपये किलो बिका रही हैं। आम आदमी सब्जियां कहां से खाए।

संजयनगर निवासी रेखा अग्रवाल का कहना है कि हम पाकिस्तान में सामानों की कीमत देखकर हंसी उड़ाते थे लेकिन अब भारत में भी सामानों की कीमत आसमान छू रही है। आम जरूरत की चीजों की कीमत में बढ़ोत्तरी से आम आदमी का जीना दुश्वार हो रहा है। सरकार को जमाखोरों के खिलाफ सख्ती करनी होगी, तभी परिस्थितियां अनुकुल होंगी।

क्या कहते हैं अनाज मंडी के अध्यक्ष

गोविंदपुरम अनाज मंडी के अध्यक्ष सुधीर गोलय ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लगाई गई स्टॉक लिमिट उन पर तो लागू होती है लेकिन विदेशी इंपोर्टर बाहर ही दाल को स्टॉक कर रहे हैं। अरहर का बाजार इंपोर्टेड सप्लाई पर बहुत अधिक निर्भर करता है, जिसका असर बाजार पर साफ तौर पर दिख भी रहा है। सरकार को बाहर से दालें मंगाकर बाजार में देना होगा। पिछले 1 महीने में दालों के दाम में 20 से 25 का इजाफा देखने को मिल रहा है। दुकानदार की मानें तो आने वाले दिनों में अरहर की दाल की कीमत और बढ़ सकती है। व्यापारी दिनेश मित्तल का कहना है कि दालों के एक्सपोर्ट पर तुरंत रोक लगनी चाहिए, तभी दाम में कमी आ पाएगी। मांग के अनुरूप सप्लाई नहीं हो रही है।

भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्री दूधेश्वरनाथ मंदिर में होगा जलाभिषेक

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। हिन्दुओं का पवित्र श्रावण मास की शुरुआत 4 जुलाई से शुरू हो रही है। ग्रंथों में श्रावण मास को काफी पवित्र माना जाता है। इस माह के प्रत्येक सोमवार को शिवजी पर जल चढ़ाने से पुण्य लाभ होता है। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा भी निकाली जाती है। गाजियाबाद के प्राचीन दूधेश्वरनाथ मंदिर में लाखों की संख्या में शिवभक्त जलाभिषेक करते हैं। पुलिस कमिश्नर अजय मिश्र ने श्रावण मास व कांवड मेले के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। गुरुवार को वे दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर पहुंचे।

उन्होंने मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरि से मुलाकात कर कांवड़ मेले को लेकर चर्चा की। दो घंटे तक चली चर्चा में पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा ने कहा कि सावन मास व कांवड़ मेले के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। मंदिर ही नहीं मंदिर के आसपास भी पुलिस व्यवस्था रहेगी।

हर आने-जाने वाले पर सीसीटीवी कैमरों से भी नजर रखी जाएगी। सादी वर्दी में भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती भी रहेगी। चर्चा के दौरान श्रीमहंत नारायण गिरि ने पुलिस कश्मिनर को बताया कि मंदिर में श्रावण शिवरात्रि का 3 दिवसीय मेला 14, 15 व 16 जुलाई को लगेगा। श्रावण शिवरात्रि का व्रत 15 जुलाई को है और इसी दिन देश भर के कांवड़िएं भगवान दूधेश्वर का जलाभिषेक करेंगे।

सावन मास की शुरूआत 4 जुलाई से हो जाएगी और 10 जुलाई को सावन का पहला सोमवार पड़ेगा। इस बार सावन मास दो माह का होने के कारण 8 सावन सोमवार पड़ेंगे।

पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा ने सावन के सभी सोमवार को भी सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। डीसीपी सिटी निपुण अग्रवाल, सहायक पुलिस कमिश्नर दिनेश कुमार पी, एसीपी सलोनी अग्रवाल, एसएचओ महेश सिंह राणा, दूधेश्वर चौकी इंचार्ज मोहन सिंह, बजरिया चौकी इंचार्ज विनोद कुमार पाण्डेय, घंटाघर चौकी इंचार्ज ब्रजेश यादव, डासना गेट चौकी इंचार्ज विनेश कुमार आदि ने श्रीमहंत के साथ सुरक्षा को लेकर चर्चा की।

रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर और रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सैफ्रोन ने आरएचएएम फाउंडेशन के सहयोग से कुष्ठ आश्रम और झुग्गियों में बांटे खाने के पैकेट्स

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर और रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सैफ्रोन ने रोटरी हेल्थ अवॉयरनेस मिशन (आरएचएएम) फाउंडेशन के सहयोग से वसुंधरा स्थित हिंडन कुष्ठ आश्रम और झुग्गी-झोपड़ियों में खाने के पैकेट्स वितरित किए।

रोटरी सर्विंग ह्यूमनिटी प्रोजेक्ट के तहत आयोजित खाने के पैकेट्स के वितरण कार्यक्रम में रोटरैक्ट क्लब ऑफ जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस, इंदिरापुरम और इंटरैक्ट क्लब ऑफ जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, इंदिरापुरम के साथ गाजियाबाद भार्गव समाज समिति के पदाधिकारी भी शामिल हुए।

रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर के अध्यक्ष और आरएचएएम के संस्थापक अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. धीरज भार्गव ने बताया कि रोटरी सर्विंग ह्यूमैनिटी प्रोजेक्ट के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवार और बीमार व कुष्ठ रोगियों की हर संभव सहायता की जाती है।

इस प्रोजेक्ट के तहत शनिवार को हिन्डन कुष्ठ आश्रम में कुष्ठ रोगियों को फल, बिस्कुट, मिठाई व अन्य खाद्य पदार्थों से भरे पैकेट्स दिए गए। खाने के पैकेट्स मिलने पर कुष्ठ रोगियों के चेहरे पर खुशी देखने लायक थी। कुष्ठ रोगियों के अलावा झुग्गियों में रहने वाले परिवारों के बीच भी खाने के पैकेट्स दिए गए। वर्ष-2023-24 के रोटरी वर्ष का यह दूसरा प्रोजेक्ट था।

इस मौके पर आरएचएएम के को चेयर एनके भार्गव, सुनील मल्होत्रा, अनिल छाबरा, अंजलि बावा, दयाराम यादव, दिवाकर तिवारी, कोमल जैन, रंजीत खत्री, सुधीर सरदाना, श्रेय पसारी, वरुण शर्मा, विनीत अग्रवाल, आरएचएएम के सचिव दयानंद शर्मा, रो. मनीषा भार्गव, रो. कोमल जैन, रो. कुनिका पसारी, रो. अपूर्व राज आदि उपस्थित थे।

रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर और रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सैफ्रोन ने आरएचएएम फाउंडेशन के सहयोग से किया वृहद पौधारोपण

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर और रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सैफ्रोन ने रोटरी हेल्थ अवॉयरनेस मिशन (आरएचएएम) फाउंडेशन के सहयोग से वसुंधरा में वृहद पौधारोपण अभियान चलाया। इसके तहत वसुंधरा सेक्टर-12 स्थित परमानंद वाटिका में शनिवार को आयोजित पौधारोपण में रोटरैक्ट क्लब ऑफ जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस, इंदिरापुरम और इंटरैक्ट क्लब ऑफ जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, इंदिरापुरम के साथ गाजियाबाद भार्गव समाज समिति के पदाधिकारी भी शामिल हुए।

रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर के अध्यक्ष और आरएचएएम के संस्थापक अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. धीरज भार्गव ने बताया कि अभियान के तहत छायादार और फलदार पौधे लगाए गए। पौधे की देखरेख की जिम्मेदारी आरएचएएम की ओर से की जाएगी। वर्ष-2023-24 के रोटरी वर्ष का

यह पहला प्रोजेक्ट था। इस प्रोजेक्ट के साथ रोटरी क्लब गाजियाबाद सनरेज, यूनिवर्स, अशोक, नॉर्थ सेंट्रल और आस्था भी जुड़ा रहा।

उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में हरियाली और वन क्षेत्र को बढ़ाने के लिए आरएचएएम ने वृहद पैमाने पर पौधारोपण का संकल्प लिया है। इसके तहत आने वाले समय में जगह-जगह पौधारोपण किया जाएगा। इस मौके पर आरएचएएम के को चेयर एनके भार्गव, सुनील मल्होत्रा, अनिल छाबरा, अंजलि बावा, दयाराम यादव, दिवाकर तिवारी, कोमल जैन, रंजीत खत्री, सुधीर सरदाना, श्रेय पसारी, वरुण शर्मा, विनीत अग्रवाल, आरएचएएम के सचिव दयानंद शर्मा, रो. मनीषा भार्गव, रो. कोमल जैन, रो. कुनिका पसारी, रो. अपूर्व राज आदि उपस्थित थे।

नंदी महाराज की मूर्ति पी रही दूध, श्रद्धालु पहुंचे कटोरे में दूध लेकर, चम्मच से पिला रहे

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। शायद आपको याद हो कि कुछ साल पहले गणेश जी के दूध पीने की खबर आई थी। हालांकि बाद में वैज्ञानिक तरीके से इसकी पुष्टि नहीं हो पाई थी। एक बार फिर ऐसी ही खबर आ रही है। नंदी प्रतिमा के दूध पीने की सूचना के बाद लोनी के एक शिव मंदिर में मंगलवार को भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्त चम्मच से नंदी प्रतिमा को दूध पिलाते नजर आए। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस दौरान हर कोई श्रद्धालु नंदी महाराज की मूर्ति को चम्मच से दूध पिलाता दिखाई दिया। श्रद्धालुओं ने दावा करते हुए कहा कि सावन माह के पहले दिन नंदी महाराज स्वयं दूध पी रहे हैं और श्रद्धालुओं ने इसको महसूस किया है। आगरा जिले के एत्माद्दौला इलाके के एक मंदिर में भी दो दिन पहले नंदी महाराज के दूध पीने की सूचना के बाद श्रद्धालुओं का तांता उमड़ पड़ा था। यहां पर भी श्रद्धालु कटोरी-ग्लास में दूध लेकर मंदिर पर दौड़ पड़े और चम्मच से नंदी महाराज की मूर्ति को दूध पिलाते नजर आए। श्रद्धालुओं के दावों की पुष्टि नहीं हुई। विज्ञान से जुड़े लोगों का मानना है कि इन मूर्तियों में छोटे-छोटे छिद्र होते हैं। जिससे तरल पदार्थ इन छिद्रों के अंदर चला जाता है। कई मूर्तियों में मुंह के पास पोर्स इस तरह का होता है कि जब कोई लिक्विड इनके पास लाया जाता है तो वो पोर्स से होता हुआ मूर्ति के अंदर चला जाता है और लोगों को लगता है कि मूर्ति दूध पी रही है।

कुछ जानकार लोग इस तरह के मामलों को मूर्ति का पृष्ठ तनाव (सरफेस टेंशन) और केशकीय बल (केपलरी फोर्स) होना बताते हैं।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargava at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. **Editor:** Dheeraj Kumar, **Resident Editor:** Manisha Bhargava** **Email:** editor@tbam.co.in
RNI. No: UPBIL/2009/28691, **Postal Registration No.** UP/GBD80/2016-18, **Advertisement :** Ph. No.: 0120-2850800, 2850297, **Fax :** 0120-4561000
Add: Plot No- 516, Sector- 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)**
Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.